



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 4, 1984/माघ 15, 1905

No. 5]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 4, 1984/MAGHA 15, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (III)
PART II—Section 3—Sub-section (III)

(संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा जारी किये गये आदेश और अधिसूचनाएँ
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आवक

नई दिल्ली 7 दिसम्बर, 1983

आ०अ०10.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि निम्न सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट प्रत्येक निर्वाचन करने वाला व्यक्ती जिन्हें लोक सभा के लिए उसके नाम के सामने स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र से 1483 में हुए उप-निर्वाचन में जीता कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्घीन धनाय यह नियमों द्वारा अपेक्षित है, अपस निर्वाचन व्यक्तों का कोई भी लेखा बांझिल करने में असफल रहा है,

और, उक्त व्यक्ती से उक्त सम्बन्ध सूचना दिए जाने के साथ ही उक्त असफलता के लिए त जा काई कारण दिया है और न ही कोई स्पष्टीकरण दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास उक्त असफलता के लिए कोई उपयुक्त कारण या व्यामोहितय नहीं है,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 10-अ के अनुसार ही निर्वाचन आयोग घोषणा करता है कि निम्न सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति असल के किसी सबन के वा राज्य की विधान सभा वा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने वा होने के लिए हम आदेश की तारीख से 3 वर्ष की कारावधि के लिए निर्दोष सिद्ध जाता है।

सारणी			
क्रम सं०	निर्वाचन क्षेत्र की क्रम सं० व नाम	निर्वाचन करने वाले व्यक्ती का नाम व पता	निर्दोष के लिए कारण
1	2	3	4
3	5-पोरबन्दर (उप-निर्वाचन)	श्री गगनधिया, रामधौ धर्षज, ग्राम सनोसरा बाया बैरब, पो सनामरा (गुजरात राज्य)	विधि के अधीन निर्वाचन व्यक्ती का अपना कोई भी लेखा बांझिल करने में असफल रहा।
4	-वही-	श्री बरगेठ प्रताप सिंह जेयनसरा, जियाका के पीछे मठ, पोरबन्दर (गुजरात राज्य)	-वही-

[सं० 76/गुज०/83(3-4)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 7th December, 1983

O.N. 10.—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (3) of the Table below at the Bye-election to the House of the People from Gujarat State held in 1983 from the constituency specified in column (2) against his name has failed to lodge the account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidates even after due notice have not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that they have no good reason or justification for the failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (3) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

TABLE

Sl. No.	S. No. & Name of Parliamentary Constituency	Name and address of the contesting candidate	Reason for disqualification
1	2	3	4
3.	5-Porbandar (Bye-election)	Shri Gagliya Ramshi Arjan, Village Sanosara, Via. Verad, Post Sanosara, (Gujarat State)	Failed to lodge any account of his election expenses as required by law
4.	-do-	Shri Barot Pratapsinh Jematsang, Behind Shingada, Math, Porbandar, (Gujarat State)	-do-

[No. 76/GJ/83 (3-4)]

आ० अ० 11.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि निम्न सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट प्रत्येक लड़ने वाला अभ्यर्थी जिसने लोकसभा के लिए उसके नाम के सामने स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र में 1983 में हुए उप-निर्वाचन में जैसा कि उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में दर्शाया गया है, जैसा कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित है, अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा रीति में दाखिल करने में असफल रहा है;

और, उक्त अभ्यर्थी ने उसे सम्यक सूचना दिए जाने के बाद भी उक्त असफलता के लिए तब तो कोई कारण दिया है और तब ही कोई स्पष्टीकरण दिया है और निर्वाचन आयोग का उनके द्वारा दिए गए आवेदनों पर यदि कोई हो तो विचार करने के बाद, यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई उपयुक्त कारण या व्यापक नही है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 10A के अन्तर्गण में निर्वाचन आयोग घोषणा करता है कि निम्न सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति संसद के किसी सदन के या राज्य की विधान सभा या विधान परिषद के सदस्य बने जाने या होने के लिए इस आदेश की तारीख से 3 वर्ष की कालावधि के लिए निरङ्कित किया जाता है।

सारणी

क्रम सं०	निर्वाचन क्षेत्र की सं० व नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम व पता	निर्वाचन लड़ने वाले निर्वाचन के लिए कारण
1	2	3	4
5.	5. पारबन्दा (उप-निर्वाचन)	श्री डंगर राम वाला ग्राम मेथी मेजथी तालुका उपलेता, जिला राजकोट (गुजरात)	निर्वाचन व्ययों का लेखा बिधि द्वारा अपेक्षित रीति में दाखिल करने में असफल रहे।

[सं० 76/गुज०/83(5)]

आदेश से,
बी.के. राव, अधीक्षक सचिव
भारत निर्वाचन आयोग

O.N. 11.—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (3) of the Table below at the bye-election to the House of the People from Gujarat State held in 1983 from the constituency specified in column (2) against his name has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder as shown in column (4) of the said Table;

And, whereas, the said candidate has either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice, or the Election Commission, after considering the representations made by him, if any, is satisfied that he has no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the person specified in column (3) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

TABLE

Sl. No.	S. No. & name of Parliamentary Constituency	Name and address of the contesting candidate	Reason for disqualification
1	2	3	4
5.	5-Porbandar (Bye-election)	Shri Dangar Ram Vala, Village Meli Mejethi, Taluka Uplete, District Rajkot, (Gujarat)	Failed to lodge the account of election expenses in the manner required by law

[No. 76/GJ/83(5)]

By Order
V.K. RAO, Under Secy.
Election Commission of India

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1984

New Delhi, the 9th January, 1984

आ० अ० 12. —लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत निर्वाचन आयोग गुजरात सरकार के परामर्श से श्री आर०वी० चन्द्रमौली, आई०ए०एस० की छुट्टी की कालावधि के दौरान श्री के०वी० हरिहरदास आई०ए०एस०, (गुज 1958) आयुक्त, प्रशिक्षण और सरकार के पदेन सचिव, जी०ए०डी०, को उनके कार्यभार सभालाने की तारीख से अगले आदेशों तक गुजरात राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में नाम निर्देशित करना है।

श्री आर०वी० चन्द्रमौली अपनी छुट्टी के वापस आने पर पुनः गुजरात राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी का कार्यभार सभाल लेंगे।

[म० 154/गुज०/84]

आदेश से,
के० गणेशन, सचिव
भारत निर्वाचन आयोग

O.N. 12.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Gujarat hereby nominates Shri K. V. Harihardas, IAS (Guj 1958), Commissioner of Training and Ex-Officio Secretary to Government, GAD as the Chief Electoral Officer for the State of Gujarat, with effect from the date he takes over charge and until further orders during leave period of Shri R. V. Chandramouli, IAS Shri R. V. Chandramouli, on return from his leave will take over again as the Chief Electoral Officer for the State of Gujarat.

[No. 154/GJ/84]

By Order,
K. GANI SAN, Secy.
Election Commission of India

